MR. SPEAKER: I do not remember what happened earlier.

श्री रणवीर सिंह : हम इनको मुंहतोड़ जवाब देंगे। इनका यही इलाज है, इसके अलावा और कोई इलाज नहीं है।

SHRI S.M. BANERJEE: I rise to a point of order.

SHRI A.S. SAIGAL (Bilaspur): I also want to rise to a point of order.

श्री स० मो० बनर्जी : मुझे सिर्फ इतना ही कहना है कि रणधीर सिंह जी जब कहते हैं तो सुनने की भी हिम्मत रखें। इस तरह बार-बार उठकर तो वही चिल्लायेगा जिसको ब्लड प्रेशर होगा।

MR. SPEAKER: Shri Saigal will resume his seat.

श्री हुकम चन्द कछवाय : हम लोग इस तरह से गाली नहीं सुनेंगे।

श्री मधु लिमये : इनको सेन्स आफ हयूमर भी नहीं है कहते हैं गाली है।...(व्यवधान)

श्री० स० मो० बनर्जी : अध्यक्ष महोदय, अभी अपोजीशन की तरफ इशारा करते हुए श्री रणधीर सिंह ने कहा कि ये बेईमान लोग हैं। मैं समझता हूँ यह कहना उचित नहीं है। उनको ये शब्द वापस लेने चाहिए।.. (व्यवधान)...

MR. SPEAKER: I am on my legs. Why not proceed with the proceedings of the House now? We have had enough.

श्री मधु लिमये : यह अन्याय क्यों? अगर आप कहते हैं कि यह असंसदीय है, गाली है तो मैं वापस लेता हूँ लेकिन इन लोगों में सेन्स आफ हयूमर भी नहीं है। मेरी बातें इनको चुभती हैं इसलिए ये हल्ला करते हैं।

SEVERAL HON. MEMBERS *rose*

MR. SPEAKER: Order, order. Will you all kindly sit down?

श्री अ० सिंह सहगल : मधु लिमये जी ने प्रधान मंत्री के लिए जो ** का शब्द प्रयोग किया है, मैं समझता हूं उनके जैसे एक वरिष्ठ सदस्य के लिए ऐसा शब्द प्रयोग करना शोभा नहीं देता है।.. (व्यवधान)...

MR. SPEAKER: Order, order. Mr. Saigal, please sit down. Talking across-is this the way in Parliament?

SHRI A. S. SAIGAL: If I have done anything wrong, I may be excused for that.

MR. SPEAKER: Thank you. Let us proceed to the next item of business. George Fernandes.

12.51 hrs.

QUESTION OF PRIVILEGE AGAINST "FINANCIAL EXPRESS" BOMBAY

श्री जार्ज फरनेन्डीज (बम्बई दक्षिण) : अध्यक्ष महोदय, विशेषाधिकार का प्रश्न जो मैं उठा रहा हूं, हालांकि फाइनेंशियल एक्सप्रेस का ही इसमें नाम लिखा गया है, लेकिन जो बातें मुझे कहनी हैं वह फर्टिलाइजर कारपोरेशन, ट्राम्बे युनिट के तमाम अफसरों के बारे में हैं। 12 मार्च को इस सदन में पब्लिक अन्डर टेकिंग्स के अध्यक्ष, श्री ढिल्लन ने पब्लिक अन्डरटेकिंग्स कमेटी की रिपोर्ट को पेश किया था जो कि आडिट रिपोर्ट के आधार पर ट्राम्बे फर्टिलाइजर कारपोरेशन के काम-काज के बारे में आक्षेप थे उसके बारे में थी। इस रिपोर्ट को सदन में पेश करने के बाद फर्टिलाइजर कारपोरेशन के अधिकारियों ने और जिस अमरीकी कम्पनी के बारे में शिकायतें थीं उस कम्पनी के द्वारा अलग-अलग दल से इस रिपोर्ट के विरोध में बातें कहने में और लिखने में आ गयी। जो अमरीकी कम्पनी कैमिको नाम की है, जिसका नाम उसमें लिया था, उस कम्पनी ने अखबारों में एक-एक पन्ने के विज्ञापन दिये जिसमें कमेटी का भले ही नाम न लिया हो लेकिन अगर आप देखें कि टूथ अबाउट ट्राम्बे के नाम से इस किस्म के इश्तहार दे कर कमेटी के सुझावों का एक प्रकार से खंडन करने का काम किया। एक तरफ अमरीकी

** Expunged as ordered by the Chair vide col. 217.

कम्पनी का यह प्रचार चला तो दूसरी तरफ कम्पनी के अधिकारियों की ओर से अखबारों में बयान देकर और अन्त में फाइनेन्शियल ऐक्सप्रैस के सम्वाददाता को हाथ में लेकर लेख लिखवा कर पब्लिक अन्डरटेकिंग की बेइज्जती करने का काम किया, इस कमेटी की सिफारिशों का खंडन करने का काम किया गया। जो रिपोर्ट इस कमेटी ने दी थी उसमें पिछले कई वर्षों की ट्राम्बे फर्टिलाइजर यूनिट के काम के बारे में कई शिकायतों को बता कर उनको दुरुस्त करने के क्या क्या रास्ते हैं इसके बारे में कुछ कहा था। कमेटी का यह भी कहना था कि कैमिको कम्पनी के साथ इस यूनिट के अफसरों ने जो समझौता किया था जिससे लाखों रुपये का नुकसान इस देश का हुआ है। इसके बारे में अधिक जाँच होनी चाहिये। यह भी बात कही गयी थी कि जिस ढंग से यह कानट्रेक्ट हुआ था उसके बारे में कई शिकायतों को उठाने का काम हुआ था और यह कारखाना बनने के समय से कामकाज शुरू करने के समय तक की जो गलतियां हुई थीं जिनकी वजह से इस कारखाने का प्रोडक्शन जहां बढ़ना चाहिये था वहां जो घटता जा रहा है उसके बारे में कुछ खुलासा मांगा था। लेकिन इस अखबार के द्वारा इन बातों का खंडन करते हुए ऐसी चीजों को कहा गया है जैसे इस कमेटी ने इन सारी सिफारिशों को करते हुए बुनियादी मसलों का विचार ही नही किया।

यह कहा गया कि जो क्रिटिसिज्म कमेटी का है यह इल इनफार्म्ड क्रिटिसिज्म है, कमेटी ने जो जाँच की वह गलत ढंग से जाँच की। और अन्त में इस लेख में दो वाक्य लिखे गये हैं जिनको मैं सुनाना चाहता हूं।

> "But many in the plant felt disgusted at the ill-timed report of the Committee on Public Undertakings, which, to quote one "brought back the dirty linen for a second wash in the public." It is to be hoped that the Committee on Public Undertaking's report would turn out to be nothing more than kindling the dead fire."

इस ढंग से इस सम्वाददाता की ओर से पब्लिक अन्डरटेकिंग कमेटी की रिपोर्ट का आक्षेप करने का काम हुआ। और यह काम करने में फर्टिलाइजर कारपोरेशन के अफसरों का भी हाथ रहा है, जैसा कि इस लेख से स्पष्ट है। इसलिये जो मैंने अपनी विशेषाधिकार की सूचना में केवल फाइनेंशियल एक्सप्रैस का ही नाम लिया है उसके अतिरिक्त कारखाने के अधिकारी भी इसमें शामिल होते हैं, जैसा कि तथ्यों से स्पष्ट होगा जो मैंने अभी आपके सामने बयान किये। इसलिए मैं चाहूंगा कि सिर्फ अखबार की ही बात न उठाते हुए कारखाने के अफ़सर, जिनका इस कारनामे से सम्बन्ध रहा है, दोनों के बारे में यह मामला विशेषाधिकार समिति के सामने पेश किया जाय।

MR. SPEAKER: I think the Minister will require some time.

The Minister of Petroleum and Chemicals and Mines and Metals. Dr. Triguna: I will have to verify from the officers concerned.

MR. SPEAKER: You can have time for two days. We will take it up on Monday.

12.55 hrs.

PAPERS LAID ON THE TABLE

Annual Report of National Research Development Corporation of India and Report of National Institute of Foundry and Forge Technology.

THE DEPUTY MINISTER IN THE MINISTRY OF EDUCATION AND YOUTH SERVICES (SHRIMATI JAHANARA JAIPAL SINGH): On behalf of Dr. V. K. R. V. Rao,

I beg to lay on the Table.

(1) A copy of the Annual Report (Hindi and English versions) of the National Research Development Corporation of India, New Delhi, for the year 1967-68 along with the Audited Accounts and the comments